Hindi Murli Quiz 15-10-2015

.

Q.1) **Q.”बच्चे, तुम्हारा फर्ज है सबको -----सुख और शान्ति का रास्ता बताना, शान्ति में रहो और शान्ति की बखशीश (इनाम) दो"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें –

A. स्थायी
B. अल्पकाल की
C. सतयुगी
D. कलयुगी

Q.2) **Q. “ड्रामा की जो सीन जिस समय चलनी है, उस समय ही चलेगी। इसकी एक्यूरेट आयु है, बाप भी अपने एक्यूरेट टाइम पर आते हैं, इसमें एक सेकेण्ड का भी फर्क नहीं पड़ सकता है। पूरे 5 हजार वर्ष के बाद बाप आकर प्रवेश करते हैं, यह गुह्य राज समझने के लिए बेहद की बुद्धि चाहिए।“**

A. True
B. False

Q.3) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	रूहानी बाप रुहानी बच्चों को रास्ता बताते हैं,	1	इन्डिविज्युअल भी और होलसेल भी ।
B	इस समय सब मनुष्य विश्व में शान्ति चाहते हैं।	2	हर एक इन्डिविज्युअल भी चाहते हैं और विश्व में भी शान्ति चाहते हैं।
C	शान्ति का सागर तो बाप ही है जिससे वर्सा मिल सकता है,	3	परन्तु पैदाइस तो फिर भी विष से होती है,रावण राज्य में पवित्रता हो न सके।
D	मनुष्य कहते ऋषि-मुनि आदि तो पवित्र हैं।	4	शान्तिधाम और सुखधाम का।
E	इस बेहद के झाड़ की आयु पूरे 5 हजार वर्ष है।	5	इसमें एक दिन न कम, न जास्ती हो सकता है,यह बना-बनाया झाड़ है।

Q.4) **Q.केवल सही वाक्य ही चयन / टिक करें--**

A. कल्प की आयु को कोई भी जानते नहीं। तुम जानते हो कि 5 हजार वर्ष के बाद यह सृष्टि चक्र लगाती रहती है।
B. अगर 84 लाख जन्मों का आवागमन होता तो पता नहीं क्या होता। न जानने के कारण कल्प की आयु भी बढ़ा दी है।
C. तुम्हीं कल्प-कल्प बाप से वर्सा लेते हो अर्थात् माया पर जीत पाते हो फिर हारते हो। यह है बेहद की हार और जीत।
D. पहले-पहले लक्ष्मी-नारायण का राज्य था फिर और राजायें आने शुरू हुए। जैसे पोप एक था फिर नम्बरवार और पोप भी बैठते गये।
E. यह है मृत्युलोक। यह सतोप्रधान दुनिया है, दु:ख देने में देरी नहीं करते

Q.5) **Q. “बाप नई दुनिया की स्थापन करने एक्यूरेट टाइम पर आकर प्रवेश करते हैं, इसलिए शिवरात्रि कहते हैं। कृष्ण के लिए जन्माष्टमी कहते हैं। शिव की जन्माष्टमी नहीं कहते, शिव की रात्रि कहते हैं क्योंकि अगर जन्म हो तो फिर मौत भी हो। मनुष्यों का जन्म दिन कहेंगे। शिव के लिए हमेशा शिवरात्रि कहते हैं। यह है बेहद की रात। भक्ति की रात पूरी हो दिन होता है। पढ़कर अपने घर पहुँचेंगे, फिर दिन में आयेंगे। आधाकल्प दिन और आधाकल्प रात गाई जाती है ।”**

A. True
B. False

Q.6) **Q.मैचिंग की इस एक्सरसाइज में सबसे उपयुक्त शब्द से ही रिक्त स्थान भरें ---**

	Choice		Match
A	हम संगमयुग पर हैं, अभी पढ़ाई से पुरूषोत्तम बन रहे हैं। बाकी सब ------ में हैं।	1	राय
B	इस -----में राजाई की ग्रेड है। उस ----- में राजाई की ग्रेड नहीं होती है।	2	पढ़ाई
C	भगवान बाप हमको ------ हैं। कभी कोई समझ न सके कि निराकार बाप कैसे आकर ------हैं।	3	कलियुग

D	मैं आता ही हूँ सिर्फ ----- देने। पावन नहीं बनेंगे तो तुम्हारा ही नुकसान है।	4	कमाई
E	अगर पावन से फिर पतित बन जायेंगे, तो की ------ चट हो जायेगी।	5	पढ़ाते

Q.7) **Q "इनमें पहले यह नॉलेज थोड़े ही थी। न कोई ------ ही था, जिसने नॉलेज दी। अगर ------ होता तो सिर्फ एक को ज्ञान देंगे क्या। उनके फालोअर्स तो बहुत होते हैं ना। एक थोड़े ही होगा। यह समझने की बातें हैं ।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें –

A. गुरू
B. बाप
C. गाइड
D. मास्टर

Q.8) **Q. धारणा के लिए सही पॉइंट्स चयन / टिक करें -----**

A. इस आसुरी दुनिया में बहुत-बहुत सहनशील बनकर रहना है।
B. बाप की श्रीमत सदा नहीं छोड़नी है।
C. डायरेक्ट बाप ने पावन बनने का फरमान किया है इसलिए कभी भी पतित नहीं बनना है।
D. कभी कोई पाप हो तो छिपाना नहीं है।

Q.9) **Q. "संगमयुग होली जीवन का युग है। जब अविनाशी रूहानी रंग लग जाता है तो सदाकाल के लिए बाप समान बन जाते हो। तो आपकी होली है- संग के रंग द्वारा बाप समान बनना। ऐसा पक्का रंग हो जो औरों को भी समान बना दो। हर आत्मा पर अविनाशी ज्ञान का रंग, याद का रंग, अनेक शक्तियों का रंग, गुणों का रंग, श्रेष्ठ वृत्ति दृष्टि, शुभ भावना, शुभ कामना का रूहानी रंग चढ़ाओ।"**

A. True
B. False

Q.10) **Q.निम्नलिखित रिक्त स्थान एक उपयुक्त शब्द से भरें ----**

"दृष्टि को अलौकिक, मन को शीतल, बुद्धि को रहमदिल और मुख को -------बनाओ।"